SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Yes, Sir. I move:

2. That at page 11, line 1, *for* the words, "Head Constable", the words, "Sub-Inspector", be *substituted.*

The question was put and the motion was negatived.

Clause 26 was added to the Bill.
Clauses 27 to 36 were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, hon. Minister, Shri Nityanand Rai, to move that the Bill be passed.

श्री नित्यानन्द राय: महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं :

"कि विधेयक को पारित किया जाए।"

The question was put and the motion was adopted.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, there are ten permitted Special Mentions for today. Special Mentions of those hon. Members, who are present now, shall be deemed to be laid on the Table.

[€] SPECIAL MENTIONS

Demand for a Kendriya Vidyalaya (KV) in Mattannur, Kannur, Kerala

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Sir, I demand from the Government to sanction a new Kendriya Vidyalaya (KV) in Mattannur, near the Kannur International Airport in Kerala. As of now, there is no KV that can benefit the aspiring students who belong to the hilly region of North Malabar. The nearest KV is in Kannur, which is 25 kilometres

---

[€] Laid on the table.

away from Mattannur. Due to the lack of opportunities, for affordable education under the CBSE Board, the parents from the hilly region of Kannur send their children to private schools. Since there are many Central Government and State Government offices near the area, a KV would be immensely helpful to a large number of aspiring students. This would provide affordable education for the children of inter-State migrant workers as well. There is adequate land available for setting up a Kendriya Vidyalaya in Mattannur. Keeping in view the urgency and importance of the matter, I humbly request the Union Government to take necessary steps to open a Kendriya Vidyalaya in Mattannur.

Demand for construction of elevated double rail line from Haridwar to Dehradun and construction of over bridge at open railway crossing

श्री नरेश बंसल (उत्तराखंड): महोदय, देश मे रेलवे का बहुत बड़ा नेटवर्क है। इसके निरंतर सुधार, सुदृढ़ीकरण व आधुनिकीकरण का कार्य चल रहा है, जो प्रसंशनीय है।

पूरे देश में, विशेषकर उत्तराखंड के देहरादून व हरिद्वार जिले से बहुत सी रेल निकलती हैं, जो लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का कार्य करती हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार – देहरादून के मध्य जंगल क्षेत्र से सिंगल लाइन आती है, जिसकी स्पीड भी वन्य जीव क्षेत्र की वजह से बहुत कम है। ऐसे मे उस पर ऐलीवेटेड डबल बड़ी रेल लाइन की बहुत ज़रूरत है, जिससे ज्यादातर ट्रेन हरिद्वार से देहरादून पहुंच सकें व उसमें समय भी कम लगे।

बहुत सी रेलवे क्रासिंग्स हैं, जो आज भी खुली हैं, जहां आम रास्ता है। इनमें से कई पर बैरियर सुविधा है, कई मानव रहित हैं, यहां पर दुर्घटनाओं की संभावनाएं निरंतर बनी रहती हैं व समय-समय पर दुर्घटनाएं हुई भी हैं, जिसमें लोगों की जानमाल की हानि हुई है।

मै सरकार से मांग करता हूं कि उत्तराखंड के हरिद्वार व देहरादून के मध्य एक बड़ी ऐलीवेटेड रेलवे लाइन का निर्माण हो व ऐसे रेलवे क्रासिंग्स, जहां अंडरपास नहीं है, वहां एक अंडरपास या आरओबी बनाया जाए, जिससे लोगों को सुविधा हो व भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

Demand for reservation counter and stoppage of trains at Kharar Railway Station in Punjab

श्री सतनाम सिंह संधू (नामनिर्देशित): महोदय, ऐतिहासिक खरड़ शहर पंजाब का एक महत्वपूर्ण gateway है। कुछ समय में इसकी आबादी तेज़ी से बढ़ी है और यह एक बड़े educational और economic hub के रूप में उभरा है। खरड़ और आसपास की आबादी 10 लाख से अधिक है। इसके बावजूद, लंबी दूरी की कई ट्रेनें यहां नहीं रुकती हैं।

महोदय, नागरिकों की मांग है कि खरड़ रेलवे स्टेशन पर कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव किया जाए और एक आरक्षण काउंटर स्थापित किया जाए। निवासियों द्वारा इन ट्रेनों को रोकने की